an>

Title: The Minister of External Affairs laid a statement regarding Hon'ble Prime Minister's visit to Nepal on 3-4 August, 2014.

....(व्यवधान)

विदेशी मंत्री तथा पूवासी भारतीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) ः अध्यक्ष जी, मैं पूधानमंत्री जी की नेपाल यात्रा के बारे में इस सदन को सूचित करना चाहती हूं।....(व्यवधान) मैं चाहूंगी कि लोग शांति से उसके बारे में सुनें।....(व्यवधान) अध्यक्ष जी, आप अनुमति दें तो मैं पढ़ूं, नहीं तो आप अनुमति दें तो मैं ले कर दूं। ....(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष ः आप ले कर दीजिए।

...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज ः अध्यक्ष महोदया, मैं दिनांक 3-4 अगस्त, 2014 की माननीय पूधानमंत्री जी की ऐतिहासिक और सफलतम नेपाल यात्रा के बारे में एक वक्तव्य इस पुनीत सदन के पटल पर रखती हूं।

2. मैं सर्वपूथम नेपाल के पूधानमंत्री सुशील कोईराला को भव्य व्यवस्था और गर्मजोशी से हमारे पूधानमंत्री जी और उनके शिष्ट मंडल का स्वागत करने के लिए हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

3. जून 1997 से, पिछले 17 वर्षों में भारत के किसी भी पूधानमंत्री की यह पहली द्विपक्षीय नेपाल यात्रा थी। पूधानमंत्री जी द्वारा पद भार गूहण करने के पश्चात यह उनकी दूसरी द्विपक्षीय विदेश यात्रा थी। पूधानमंत्री सुशील कोईराला ने विशेष सम्मान दिखाते हुए स्वयं हवाई अड्डे पर उपस्थित होकर पूधानमंत्री का पारंपरिक रूप से स्वागत किया। हज़ारों आम नेपालियों ने सड़कों पर उपस्थित होकर पूधानमंत्री के काफिले का स्वागत किया। गर्मजोशी से किए गए स्वागत और शुभकामनाओं के लिए अनेक स्थानों पर पूधानमंत्री जी ने कार से उतरकर उनको धन्यवाद दिया और इसके लिए उन्हें उपस्थित लोगों का अविस्मरणीय स्नेह मिला।

4. पूधानमंत्री जी ने अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति श्री राम बरन यादव से भेंट की। पूधानमंत्री सुशील कोईराला ने पूधानमंत्री जी के साथ विचार-विमर्श किया। माननीय पूधानमंत्री जी नेपाल की संविधान सभा और विधायी संसद को संबोधित करने वाले पूथम विदेशी नेता बने, यहां उनका स्वागत संविधान सभा के सभापति सुभाष चन्द्र नेमबान्ग ने किया। विदेश मंत्री महेन्द्र बहादुर पाण्डेय और पूमुख राजनैतिक दलों के नेताओं यथा, विपक्ष के नेता और यू सी पी एन (एम) के चैयरमैन पूचण्ड, सी पी एन-यू एम एल के चैयरमेन के. पी. ओली, नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शेर बहादुर देउबा, आर पी पी के चैयरमेन कमल थापा, मधेसी नेताओं ने पूधानमंत्री जी से भेंट की। पूमुख व्यापार मण्डलों के व्यवसायी एवं महिला व्यवसायियों के एक पूतिनिधि मण्डल ने पूधानमंत्री जी से भेंट की। 4 अगस्त को शूावण सोमवार के दिन पूधानमंत्री जी ने पशुपति नाथ मन्दिर के दर्शन किए और वहां पूजा-अर्चना की।

5. नेपाल के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंध हमारे साझा इतिहास, भूगोल और संस्कृति से जुड़े हुए हैं (रोटी बेटी का संबंध)। हमारा लगातार यह पूयास रहा है कि इन नजदीकी संबंधों को व्यापार और निवेश, जलविद्युत शक्ति, सीमा पर बेहतर आवागमन, रक्षा और सुरक्षा जिसमें पूशिक्षण और संयुक्त अभ्यास शामिल हैं, संस्कृति, शिक्षा और पर्यटन के माध्यम से सभी स्तरों पर सुदृढ़ किया जाए। हमनें उच्च स्तर पर राजनैतिक विचार-विमर्श को और मजबूत किया है। हम सरकारों के स्तर पर आवश्यक समझौतों और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं। वर्ष 2014-15 और उसके आगे नेपाल को दिए जाने वाली विकास सहायता को हम बढ़ाने जा रहे हैं।

6. पूधानमंत्री जी की यात्रा के दौरान भारत नेपाल संबंधों की सभी स्तर पर समीक्षा की गई। पूर्व में भी हमने नेपाल को संवैधानिक बहुदलीय लोकतंत्र और उन्नत अर्थव्यवस्था की ओर अगूसर होने के लिए अपना हर संभव समर्थन दिया है। इसमें नवंबर 2013 में संविधान सभा और संसद के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के आयोजन के लिए वैचारिक और आर्थिक सहयोग शामिल है। पूधानमंत्री जी की यात्रा लोकतंत्र, स्थायित्व, शान्ति और उन्नत नेपाल के लिए भारत के खुले दिल से दिए जा रहे समर्थन को दर्शाती है।

7. संविधान सभा को दिए गए अपने ऐतिहासिक भाषण में पूधानमंत्री जी ने कहा कि नेपाल का संविधान सम्पूर्ण विश्व के सामने एक उदाहरण साबित होगा। विशेषकर उन क्षेत्रों के लिए जो अशान्त हैं, नेपाल हिंसा को छोड़कर शान्ति और लोकतंत्र के मार्ग को अपनाने का एक उदाहरण सिद्ध होगा। पूधानमंत्री जी ने कहा कि भारत नेपाल की सार्वभौमिकता और अपने भविष्य को स्वयं चुनने के अधिकार का पुरजोर समर्थन करता रहेगा और वह उन्नत और लोकतांत्रिक नेपाल की कामना करता है।

8. पूधानमंत्री जी ने कहा कि उनकी सरकार दोनों देशों के संबंधों को उच्च पाथमिकता देती है और ये संबंध उतने ही पुराने हैं जितने हिमालय और गंगा। ("हमारे संबंध कागज की कश्तीयों से आगे नहीं बढ़े है। हमारे संबंध दिलों की दासतां कहते हैं ") पूधानमंत्री जी ने हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत पर पूकाश डाला, जिसमें काशी विश्वनाथ और पशुपतिनाथ, लुम्बिनी और बोधगया शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल वह भूमि है जिसने गौतम बुद्ध को जन्म दिया। पूधानमंत्री जी ने भारतीय सेना के लिए अपना बलिदान देने वाले गोरखाओं का अभिवादन किया।

9. पूधानमंत्री जी ने कहा कि नेपाल का संविधान एक ऐसा दस्तावेज होना चाहिए जो वेदों की संहिता और उपनिषद के समान हो- ये देश को एक नई दिशा देने वाला होना चाहिए। उन्होंने साथ में ये भी कहा कि इस कार्य के लिए एक ऋषि का मन होना चाहिए। पूधानमंत्री जी ने युद्ध से बुद्ध, शस्त्र से शास्त्र की ओर बढ़ने के लिए उनकी पूशंसा की। पूधानमंत्री जी ने आशा की कि नेपाली संविधान एक ऐसा संविधान होगा जो नेपाली समाज के सभी वर्गों की आशा और आकांक्षाओं को परिलक्षित करेगा। ("हर नेपाली को लगे कि यह एक ऐसा गुलदस्ता है जिसमें मेरे एक फूल की भी महक है। ") उन्होंने आशा व्यक्त की कि संविधान सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय का आदर्श सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि संविधान लोगों को जोड़ता है तोड़ता नहीं। उन्होंने इस ओर इशारा किया कि संविधान सभा का लक्ष्य संघीय लोकतांत्रिक गणतंत्र स्थापित करना है, पूधानमंत्री जी ने कहा कि भारत इसका सम्मान और स्वागत करता है।

10. भारत-नेपाल संबंधों का उल्लेख करते हुए पूधानमंत्री जी ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों का आर्थिक विकास और उन्नति आपस में जुड़े हुए हैं। उन्होंने जल विद्युत, कृषि और पर्यटन के क्षेत्र में नजदीकी सहयोग की कामना की। पूधानमंत्री जी ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम पूाकृतिक संसाधनों का दोहन कर और अपने युवाओं को अवसर देकर इस उक्ति को बदलें कि " पानी और जवानी पहाड़ के काम नहीं आते। " पूधानमंत्री जी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत नेपाल की पूगति की राह में उसके साथ कंधे से कंधे मिलाकर चलना चाहता है। उन्होंने कहा कि नेपाल की जल-विद्युत क्षमता उसे एक उन्नत राष्ट्र बना सकती है और भारत की नेपाल के पूाकृतिक संसाधनों को लेने की कोई मंशा नहीं है। लेकिन भारत नेपाल से अतिरिक्त ऊर्जा खरीदना चाहेगा। उन्होंने आगूह किया कि पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना के कार्य को शीघ्र शुरू किया जाएं। उन्होंने यह पाया कि विद्युत पारेषण क्षमता को बढ़ाया जा रहा है, जिससे नेपाल को दोगुनी विद्युत की आपूर्ति की जा सके। पूधानमंत्री जी ने घोषणा की कि भारत नेपाल को 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रियायती दर पर ऋण देगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि भारत महाकाली नदी पर बांध के निर्माण में सहयोग देगा और इससे नेपाल के पश्चिमी भाग को भारत से जोड़ने में मदद मिलेगी। पूधानमंत्री जी ने नेपाल को हिट का सूत्र दिया जिसका अर्थ है भारत नेपाल के राजमार्गों का निर्माण (एच), सूचना हाइवे (आई) और ट्रांसवेज- पारेषण लाईने (टी) को स्थापित करने में मदद करना चाहता है।

11. प्रधानमंत्री जी ने नेपाल में प्राथमिकता के आधार पर चलने वाली परियोजनाओं के लिए भारत की सहायता की कई घोषणाएं की। नेपाल को 1 बिलियन अमेरिकन डॉलर का ऋण वर्तमान में 350 मिलियन अमेरिकन डॉलर के ऋण की सीमा के अतिरिक्त होगा। पंचेश्वर विकास प्राधिकरण को भी स्थापित किया जाएगा और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी पी आर) को शीघ्र ही अन्तिम रूप देने पर अपनी सहमति दी। नेपाल की सरकार ने आश्वत किया कि 900 मेगावाट अपर करनाली जल विद्युत परियोजना के परियोजना विकास समझौते (पी डी ए) को 45 दिन के भीतर अन्तिम रूप दिया जाएगा। दोनों पक्षों ने 900 मेगावाट अरूण III, 600 मेगावाट अपर मर्सयांगडी और 880 मेगावाट तामकोशी III तीनों परियोजनाओं के विकास समझौतों को शीघ्र ही अन्तिम रूप देने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इतने बड़े स्तर की विकास परियोजनाएं नेपाल की अपार जल विद्युत क्षमता के विकास में एक बड़ी भूमिका अदा करेंगी।

12. दोनों पक्षों ने तराई सड़क परियोजना के पूर्थम चरण के निर्माण और द्वितीय चरण को एक वर्ष के भीतर शुरू करने पर अपनी सहमति व्यक्त की। कुछ नए प्रस्तावों जिन पर हमने विचार करने के लिए अपनी सहमति दी उनमें पूर्वी क्षेत्र में मिड हिल हाईवे और काठमांडू-निजगढ़ शीघ्रपथ सड़क शामिल हैं। नेपाल के आग्रह पर हमने रक्सौल अमलेखगंज पेट्रोलियम पाईप लाईन परियोजना के निर्माण पर गौर करने पर अपनी सहमति दी। ऋण की नई व्यवस्था के अंतर्गत कुछ नई परियोजनाओं के वित पोषण पर विचार किया जा सकता है। बी.आई. पी. पी. की संपुष्टि, रेल सेवा समझौता, वाहन समझौता, व्यापार और आवागमन पूपत्रों का आदान-पूदान को अन्तिम रूप देने और इन पर हस्ताक्षर करने की दिशा में काम करने का निर्णय लिया गया, जिससे नेपाल से निर्यात और तीसरे देशों से नेपाल में आयात को सुगम बनाया जा सकेगा।

13. भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग और कोलंबो प्लान के अन्तर्गत नेपाल को दी जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या को 180 से बढ़ाकर 250 करने की घोषणा की गई। भारत के पूमुख विश्वविद्यालयों में नेपाल के स्नातक स्तर के छात्रों के लिए नेपाल भारत मैत्री शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत लघु अवधि के पाठ्यक्रम और जिसमें भारत को जानने संबंधी यात्रा भी शामिल है, को शुरू करने की घोषणा की गई।

14. प्रधानमंत्री जी ने पशुपतिनाथ मन्दिर के लिए 2500 किलो चन्दन की लकड़ी उपहार स्वरूप भेंट की। भारत सरकार पाँच वर्ष की अवधि में 25 करोड़ रूपए की लागत से पशुपतिनाथ मन्दिर के नवीनीकरण और जीर्णोद्धार के कार्य में अपनी सहायता देगी। यात्रा के दौरान नेपाल में गलगण्ड नियंत्रण कार्यक्रम पर समझौता ज्ञापन और दूरदर्शन नेपाल टेलीविजन कॉरपोरेशन के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। दोनों प्रधानमंत्रियों ने प्रधानमंत्री जी की यात्रा की याद में संस्मरण डाक टिकट जारी किया।

15. दोनों प्रधानमंत्रियों ने 1950 की शान्ति और मित्रता सन्धि और अन्य द्विपक्षीय समझौतों की समीक्षा करने, उनमें बदलाव करने और उन्हें नवीन करने पर अपनी सहमति व्यक्त की। उन्होंने संयुक्त आयोग के उस निर्णय का भी स्वागत किया जिसमें आयोग ने दोनों देशों के विदेश सचिवों को 1950 की शान्ति और मित्रता सन्धि को संशोधित करने और उस पर नेपाल सरकार द्वारा शीघ्र अतिशीघ्र उपलब्ध कराये जाने वाले विशिष्ट पूस्तावों पर चर्चा करने के लिए बैठक बुलाए जाने का निर्देश दिया। दोनों पक्षों ने सीमा पर लगे स्तंभों के निर्माण, जीर्णोद्धार और उनकी मरम्मत के कार्य को करने के लिए एक बाउन्ड्री वर्किंग ग्रुप (बी डब्ल्यू जी) के गठन का भी स्वागत किया। दोनों देशों के बीच बहुपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने और उनके विस्तार के लिए उपाय सुझाने और भारत नेपाल संबंधों को एक निष्पक्ष गैर सरकारी दृष्टिकोण से देखने के लिए भारत नेपाल संबंधों पर एक विशिष्ट व्यक्ति समूह (ई पी जी- एन आई आर) को भी स्थापित करने का निर्णय लिया गया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने इस बात पर अपना संतोष व्यक्त किया कि दोनों देशों के मध्य सुरक्षा को लेकर बहुत अच्छा तालमेल है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि खुली सीमा, जिसने दोनों पक्षों के लोगों के आवागमन को सुविधाजनक बनाया है और जो भारत-नेपाल द्विपक्षीय संबंधों की एक विशिष्ट पहचान है, का अवांछनीय तत्वों द्वारा गलत इस्तेमाल कर सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। भारत और नेपाल ने एक दूसरे को आश्वस्त किया कि वे अपनी सीमा को एक दूसरे के विरूद्ध इस्तेमाल नहीं करने देंगे।

16. मई 2014 में प्रधानमंत्री जी के शपथ ग्रहण समारोह मे दक्षेस के सभी नेताओं को आमंत्रण, जून 2014 में प्रधानमंत्री की भूटान यात्रा, मेरे द्वारा बांग्लादेश और नेपाल की द्विपक्षीय यात्रा और अब प्रधानमंत्री जी की नेपाल यात्रा यह दर्शाती है कि हम अपने पड़ोसी राष्ट्रों के साथ संबंधों को उच्च प्राथमिकता देते हैं। प्रधानमंत्री जी की नेपाल के नेताओं के साथ बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में बातचीत हुई, जो दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों में गहरी मित्रता और तालमेल को दर्शाती है।

17. माननीय प्रधानमंत्री जी अपनी नेपाल यात्रा से बहुत ही संतुष्ट हैं। उन्होंने सभी नेपाली नागरिकों के दिलों और मन को छुआ, जिसे उन सभी ने व्यक्त किया जिनसे उन्होंने मुलाकात की और जिसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य राजनैतिक दलों के नेता शामिल हैं। कई नेपाली नेताओं ने यह भी कहा कि " आपने मन और मस्तिष्क जीत लिया है ", ये संबंधों में नये युग की शुरूआत है और यदि भारत नेपाल संबंधों को लेकर नेपालियों के मन में कोई संशय था तो आपने उसे भी दूर कर दिया। प्रधानमंत्री जी की यात्रा से भारत और नेपाल के बीच आपसी विश्वास बढ़ा है। प्रधानमंत्री जी की यात्रा ने नेपाल के साथ हमारे महत्वपूर्ण संबंधों को एक नई गति, नई दिशा और एक नया उत्साह दिया है, जिसे हम आगे और मजबूत करेंगे।

-

-

-

-

-